



İLKER YARDIMCI

Homo Echo

मनुष्य की प्रतिध्वनि

SCULPTURES · 2026 / मूर्तियाँ · 2026

 ilker
yardımcı

Homo Echo

मनुष्य की प्रतिध्वनि

The Resonance of Void and Body / रिक्तता और देह की अनुगूँज

The Homo Echo series is a sculptural manifesto that questions human existence along the axes of time, memory and space. Carrying the human figure beyond anatomical and mimetic limits, the series constructs it as a state of “echoing” — one that multiplies, transforms and confronts its own traces through the dialectical tension of rhythm, void and material.

In Yardımcı’s sculptures, the rigid boundaries of form become a fluid field of resonance. The constructive resistance of metal is balanced by the fragility and cyclical dynamism of human existence. Formal layers that overlap, repeat one another and at times evoke wings make visible the temporal continuity between past and present. The voids that seep into and around the sculpture are not merely aesthetic intervals that lighten the mass; they are ontological volumes that embody the trace the body leaves in space, the vibration of memory, and the tension between physical presence and absence.

‘होमो इको’ शृंखला एक मूर्तिकलात्मक घोषणापत्र है, जो समय, स्मृति और स्थान के अक्षों पर मानव अस्तित्व पर प्रश्न उठाती है। यह शृंखला मानव आकृति को शारीरिक और अनुकरणात्मक सीमाओं से परे ले जाकर उसे ‘प्रतिध्वनि’ की एक ऐसी अवस्था के रूप में रचती है, जो लय, रिक्तता और सामग्री के द्वंद्वत्मक तनाव के माध्यम से बहुगुणित होती है, रूपांतरित होती है और अपने ही चिह्नों का सामना करती है।

यार्दिमजी की मूर्तियों में रूप की कठोर सीमाएँ अनुनाद के एक तरल क्षेत्र में बदल जाती हैं। धातु का संरचनात्मक प्रतिरोध मानव अस्तित्व की नाजुकता और उसकी चक्रीय गतिशीलता से संतुलित होता है। एक-दूसरे पर चढ़ती, एक-दूसरे को दोहराती और कभी-कभी पंखों का आभास कराती रूप-परतें अतीत और वर्तमान के बीच की कालिक निरंतरता को दृश्य बनाती हैं। मूर्ति के भीतर और चारों ओर रिसती रिक्तताएँ केवल द्रव्यमान को हल्का करने वाले सौंदर्यपरक अंतराल नहीं हैं; वे सत्तामीमांसीय आयतन हैं, जो अंतरिक्ष में देह द्वारा छोड़े गए चिह्न, स्मृति के कंपन और भौतिक उपस्थिति तथा अनुपस्थिति के बीच के तनाव को मूर्त करते हैं।

Homo Echo — मनुष्य की प्रतिध्वनि

In Yardımcı's approach, which brings geometric abstraction together with figurative allusion, sculpture ceases to be a static object of contemplation and becomes a multi-angled process of perception. As the viewer moves around the form, fullness and void change places; the sculpture echoes anew with space, and space with the sculpture. Homo Echo touches both on the mythological tragedy of losing the body and becoming voice, and on contemporary man's experience of encountering his own inner voice and its echo.

Approaching the human being not as a completed form but as a continuous state of "becoming" shaped by the echoes of its own experiences, Homo Echo positions the body as a coordinate and memory as an uninterrupted wavelength spreading through space. İlker Yardımcı transforms the invisible bond between the trace a person leaves in the world and the resonance they carry within into a monumental and timeless plastic language.

ज्यामितीय अमूर्तन और आकृतिमूलक संकेतों को जोड़ने वाले यार्दिमजी के दृष्टिकोण में मूर्ति दर्शन की एक स्थिर वस्तु न रहकर बहुकोणीय बोध की प्रक्रिया बन जाती है। जैसे-जैसे दर्शक रूप के चारों ओर घूमता है, पूर्णता और रिक्तता अपना स्थान बदलते हैं; मूर्ति स्थान के साथ और स्थान मूर्ति के साथ नए सिरे से प्रतिध्वनित होता है। 'होमो इको' देह खोकर ध्वनि बन जाने की पौराणिक त्रासदी को भी छूती है और समकालीन मनुष्य के अपनी आंतरिक आवाज़ तथा उसकी प्रतिध्वनि से मिलने के अनुभव को भी।

मनुष्य को एक पूर्ण रूप नहीं, बल्कि अपने अनुभवों की प्रतिध्वनियों से निरंतर चलती 'होने' की अवस्था मानते हुए 'होमो इको' देह को एक निर्देशांक और स्मृति को अंतरिक्ष में फैलती एक अविच्छिन्न तरंगदैर्घ्य के रूप में स्थापित करती है। इल्कर यार्दिमजी मनुष्य द्वारा संसार में छोड़े गए चिह्न और उसके भीतर बसी अनुगूँज के बीच के अदृश्य बंधन को एक स्मारकीय और कालातीत शिल्प-भाषा में रूपांतरित करते हैं।



I



Homo Echo I

stainless steel, 2026

स्टेनलेस स्टील, 2026

Signed, limited edition

हस्ताक्षरित, सीमित संस्करण

II



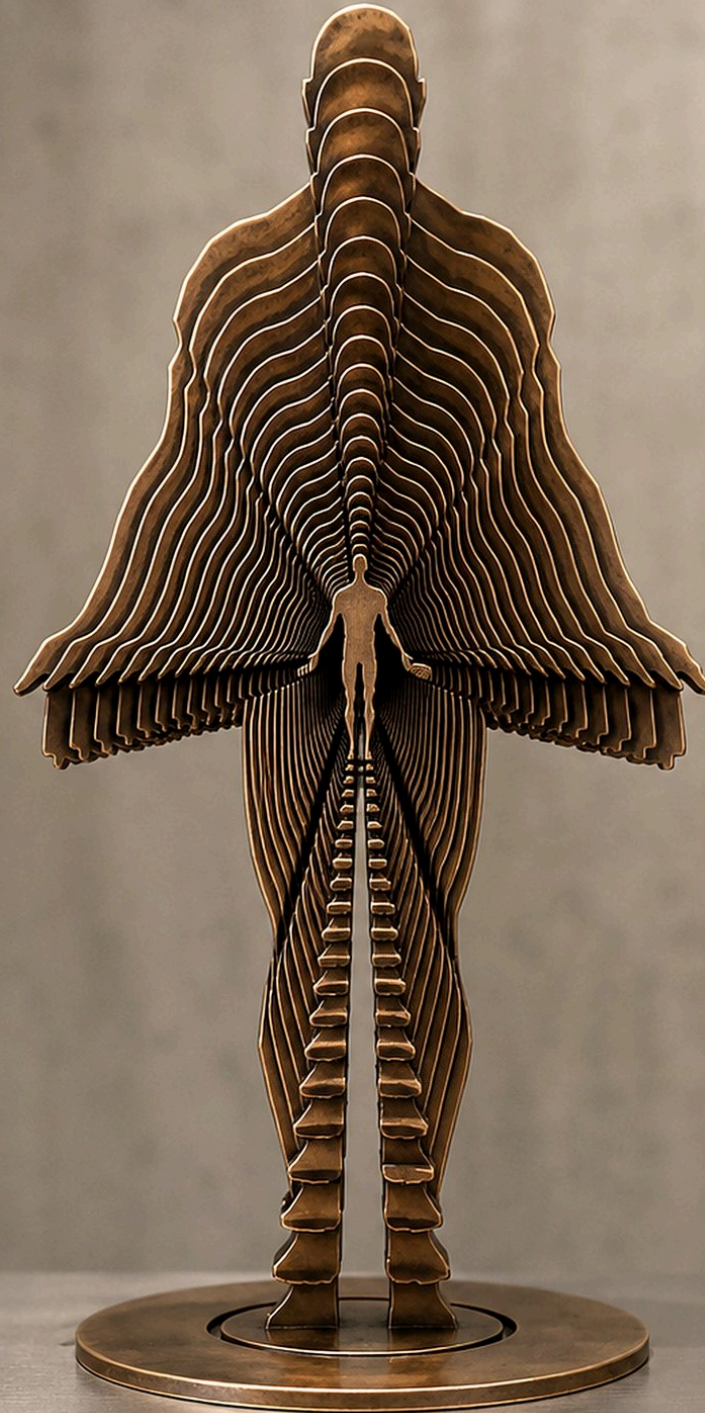
Homo Echo II

bronze, 2026

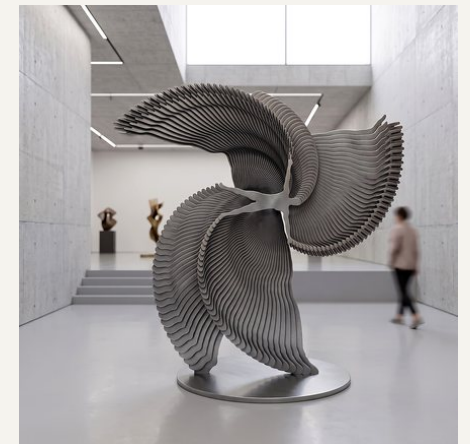
कांस्य, 2026

Signed, limited edition

हस्ताक्षरित, सीमित संस्करण



III



Homo Echo III

stainless steel, 2026

स्टेनलेस स्टील, 2026

Signed, limited edition

हस्ताक्षरित, सीमित संस्करण

IV



Homo Echo IV

bronze, 2026

कांस्य, 2026

Signed, limited edition

हस्ताक्षरित, सीमित संस्करण





V



Homo Echo V

stainless steel, 2026

स्टेनलेस स्टील, 2026

Signed, limited edition

हस्ताक्षरित, सीमित संस्करण

VI

Homo Echo VI

bronze, 2026

कांस्य, 2026

Signed, limited edition

हस्ताक्षरित, सीमित संस्करण



Prof. Dr. İlker Yardımcı

इल्कर यार्दिमजी

Prof. Dr. İlker Yardımcı is a sculptor, designer and academic whose practice centres on sculpture for public space. A graduate of the Department of Sculpture at Dokuz Eylül University's Faculty of Fine Arts, he completed his master's degree (2007) and his Proficiency in Art (2011) at the same university's Institute of Fine Arts. He is a professor in the Department of Sculpture at Düzce University's Faculty of Art, Design and Architecture, where he teaches sculpture in the urban environment, digital sculpture and computer-aided sculpture design.

"Confusion of Prism", selected for the 2008 Beijing Olympics, and "Lyrical Message", one of 15 international sculptures selected for the Olympic Park of the Beijing 2022 Winter Olympics, are among the works that define the artist's position in international public art. His works stand in squares, parks and collections in Türkiye, China, the USA, Ukraine, Argentina, Taiwan, Luxembourg and the Czech Republic. Exhibitions include the International Beijing Art Biennale (2012, 2017), the Lih Pao Biennial (Taiwan, 2014) and the Esch-sur-Alzette European Capital of Culture Sculpture Exhibition (Luxembourg, 2022). In 2024 he received the Excellent Award at the Wuhu Sculpture Thematic Exhibition "Carving the Renowned City of Jiangdong · Shaping Wuhu of the Era", organised by the China Sculpture Institute and the Wuhu Municipal People's Government.

प्रो. डॉ. इल्कर यार्दिमजी एक मूर्तिकार, डिज़ाइनर और शिक्षाविद हैं, जिनका अभ्यास सार्वजनिक स्थलों की मूर्तिकला पर केंद्रित है। उन्होंने दोकुज़ एयलुल विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय के मूर्तिकला विभाग से स्नातक किया तथा उसी विश्वविद्यालय के ललित कला संस्थान से स्नातकोत्तर (2007) और 'कला में दक्षता' (2011) की उपाधि प्राप्त की। वे द्युज़े विश्वविद्यालय के कला, डिज़ाइन और वास्तुकला संकाय के मूर्तिकला विभाग में प्रोफ़ेसर हैं, जहाँ वे शहरी परिवेश में मूर्तिकला, डिजिटल मूर्तिकला और कंप्यूटर-सहायित मूर्तिकला डिज़ाइन पढ़ाते हैं।

2008 बीजिंग ओलंपिक के लिए चयनित 'कन्फ्यूज़न ऑफ़ प्रिज़्म' और 2022 बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक के ओलंपिक पार्क के लिए चुनी गई 15 अंतरराष्ट्रीय मूर्तियों में से एक 'लिरिकल मैसेज' उन कृतियों में हैं जो अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक कला में कलाकार की स्थिति को परिभाषित करती हैं। उनकी कृतियाँ तुर्किये, चीन, अमेरिका, यूक्रेन, अर्जेंटीना, ताइवान, लक्ज़मबर्ग और चेक गणराज्य के चौकों, उद्यानों और संग्रहों में स्थापित हैं। उनकी प्रदर्शनियों में अंतरराष्ट्रीय बीजिंग कला द्विवार्षिकी (2012, 2017), लिह पाओ द्विवार्षिकी (ताइवान, 2014) और एश-सुर-अल्ज़ेट यूरोपीय सांस्कृतिक राजधानी मूर्तिकला प्रदर्शनी (लक्ज़मबर्ग, 2022) शामिल हैं। 2024 में उन्हें चाइना स्कल्पचर इंस्टीट्यूट और वुहू नगर जन सरकार द्वारा आयोजित वुहू मूर्तिकला विषयगत प्रदर्शनी 'कार्विंग द रिनाउन्ड सिटी ऑफ़ जियांगदोंग · शेपिंग वुहू ऑफ़ द एरा' में एक्सीलेंट अवॉर्ड प्राप्त हुआ।



Homo Echo

मनुष्य की प्रतिध्वनि

CATALOGUE 2026 / कैटलॉग 2026

ilkeryardimci.com

mail@ilkeryardimci.com

Images are digital visualisations of cast-ready 3D models.

चित्र ढलाई-हेतु तैयार 3D मॉडलों के डिजिटल विज़ुअलाइज़ेशन हैं।

© 2026 İlker Yardımçı. All rights reserved.